और अन्य निवास योग्य इमारतों ने अलग-अलग कुल कितने एकड़ भूमि घेर रखी है ;

(ख) क्या यह सच है कि पक्की पट्टी के उत्तर में और कच्ची पट्टी के आसपास कई एकड़ जमीन बेकार पड़ी हुई है और घास उगाने के लिये उसका उपयोग किया जाता है ; और

(ग) यह जमीन अनाज पैदा करने के लिये क्यों नहीं काम में लाई जाती ?

असैनिक उड्डयन उपमंत्री (श्री मोहीउद्दीन): (क) बाबतपुर (बनारस) हवाई अड्डे का रकबा ५७० एकड़ है। इसमें से ३८२ एकड़ जमीन की आपरेशनल कामों के लिये और १२७ एकड़ जमीन की जरूरत तकनीकी और रिहायश के कामों के लिये है। बची हुई ६१ एकड़ जमीन अभी हाल ही में सिविल एविएशन की जायद करार कर दी गई है, और इस जमीन का तसफिया उत्तर प्रदेश की सरकार की राय से किया जा रहा है।

(ख) और (ग). कोई भी जमीन बेकार नहीं पड़ी है। आपरेशनल एरिया का एक हिस्सा पक्का है ; इसलिये काश्तकारी के काबिल नहीं है। दूसरा हिस्सा (२० एकड़) जिसमें (१) पक्के रनवे की पट्टी और (२) कच्चा रनवे है, सिर्फ घास काटने के लिये पट्टे पर दिया गया है। इस रकबे में काश्तकारी की आज्ञा नहीं दी जा सकती, क्योंकि इसे हवाई जहाजों के लिये जरूरत पर उतरने के लिये ठीक ठाक रखना होता है। ८० एकड़ का रकबा (जिसमें सरप्लस की हुई ६१ एकड़ जमीन भी शामिल है) काश्तकारी के कामों के लिये पट्टे पर दिया जा चुका है।

Quarters for Railway Staff at Stations between Aurangabad and Nandeo

1812. **Shri A. V. Ghare:** Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is shortage of quarters for Railway Staff on the Railway Stations between Aurangabad and Nandeo on the Kachiguda-Manmad line; and

(b) if so, when Government propose to provide quarters for these staff?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): Presumably the Hon'ble Member is referring to stations between Aurangabad and Nandeo on the Kachiguda-Manmad Section of the Central Railway. If so, the reply is as under:

(a) Yes, Sir. There are about 1,065 essential staff on this Section out of whom quarters have been provided for 670.

(b) Staff quarters are constructed to house initially the essential staff on a programmed basis. During 1959-60, 259 quarters are proposed to be constructed on this section. The extent of each year's programme of building quarters is determined by the actual availability of funds and the priorities for construction on the Railway as a whole.

Exploratory Tube-Well Organisation

1813. **Shri Subbiah Ambalam:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) the number of wells sunk in each State by the Exploratory Tube-well Organisation in India and the total amount of expenditure incurred;

(b) how many of them were found successful and economical in each State; and

(c) what is the amount paid for technical services rendered by the American firm?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): (a) and (b). The number of exploratory bores dril-